



सत्यमेव ज्यते

**ग्रामीण भारत
में
मजदूरी दरें
WAGE RATES
IN
RURAL INDIA
(2009 – 10)**

**भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
श्रम एवं रोजगार मंत्रालय
MINISTRY OF LABOUR & EMPLOYMENT
श्रम ब्यूरो
LABOUR BUREAU
शिमला/चण्डीगढ़
SHIMLA / CHANDIGARH
2011**



सत्यमेव ज्यते

**ग्रामीण भारत
में
मजदूरी दरें
WAGE RATES
IN
RURAL INDIA
(2009 – 10)**

**भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
श्रम एवं रोजगार मंत्रालय
MINISTRY OF LABOUR & EMPLOYMENT
श्रम ब्यूरो
LABOUR BUREAU
शिमला/चण्डीगढ़
SHIMLA / CHANDIGARH
2011**

PREFACE

The Labour Bureau has been compiling, maintaining and disseminating State-wise as well as All-India average daily wage rates in respect of 18 agricultural and non-agricultural occupations. These wage rates are compiled on the basis of the daily wage rates collected from 600 sample villages, spread over 66 NSS regions, falling in 20 States. Though these wage rates are compiled and released every month through “Indian Labour Journal” and Labour Bureau’s website <http://labourbureau.gov.in>, it was felt that, in view of the usage of the wage rate data, they may be presented in a compact manner. Accordingly, Labour Bureau started publishing “Wage Rates in Rural India”.

The present Publication which is thirteenth in the series, contains information in respect of average daily wage rates for 18 agricultural and non-agricultural occupations, State-wise as well as All-India. These data, besides being utilized for working out the costs of cultivation for the purpose of fixation and revision of support/procurement prices, of both Kharif and Rabi crops, are also utilized as inputs for policy formulation and by researchers as well.

I appreciate the efforts made by the officers and staff of Wage Rate Unit (Annexure-II) of Labour Bureau in bringing out this publication.

The Bureau welcomes suggestions for improvement of this publication.

SHIMLA
Dated : 9th September, 2011

B. N. NANDA
DIRECTOR GENERAL

प्रस्तावना

श्रम ब्यूरो 18 कृषि तथा गैर-कृषि व्यवसायों के संबंध में राज्यवार तथा अखिल भारत औसत दैनिक मजदूरी दरों का संकलन, रख-रखाव तथा वितरण कर रहा है। इन मजदूरी दरों का संकलन 20 राज्यों के 66 राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण क्षेत्रों में फैले 600 प्रतिदर्श गांवों से एकत्रित दैनिक मजदूरी दरों के आधार पर किया जाता है। यद्यपि इन मजदूरी दरों को प्रति माह संकलित किया जाता है तथा 'इण्डियन लेबर जरनल' श्रम ब्यूरो की वेबसाइट <http://labourbureau.gov.in> द्वारा प्रति माह प्रकाशित किया जाता है, परन्तु यह अनुभव किया गया कि मजदूरी दर आंकड़ों के प्रयोग के मद्देनजर उन्हें संक्षिप्त रूप में एक जगह प्रस्तुत किया जाए। तदनुसृत, श्रम ब्यूरो ने "ग्रामीण भारत में मजदूरी दरें" नामक प्रकाशन आरम्भ किया।

वर्तमान प्रकाशन, जो कि श्रृंखला में तेरहवां है, में 18 कृषि तथा गैर कृषि व्यवसायों के लिए राज्यवार तथा अखिल भारत औसत दैनिक मजदूरी दरों के संबंध में सूचना सम्मिलित है। इन आंकड़ों को खरीफ तथा रबी दोनों फसलों के समर्थन/प्रापण मूल्यों के निर्धारण तथा संशोधन के उद्देश्य से कृषि लागत के आंकलन हेतु प्रयोग करने के अतिरिक्त नीति निर्माताओं तथा अनुसंधानकर्ताओं द्वारा विभिन्न उद्देश्यों के लिए भी प्रयोग किया जाता है।

इस प्रकाशन को तैयार करने में श्रम ब्यूरो के मजदूरी दर एकक (अनुबन्ध-II) के अधिकारियों तथा कर्मचारियों द्वारा किए गए प्रयासों की मैं सराहना करता हूँ।

इस प्रकाशन के सुधार हेतु ब्यूरो में आपके सुझावों का स्वागत है।

शिमला

दिनांक : 9 सितम्बर, 2011

बी० एन० नन्दा

महानिदेशक

CONTENTS

	Page No.
1. Summary of Main Findings	1-3
2. Methodology for Compilation of the Wage Rate Data	4-9
Table 1(a) All-India Average Daily Wage Rates in Agricultural Occupations during 2009-2010 (month-wise)	10-13
Table 1(b) All-India Average Daily Wage Rates in Non-agricultural Occupations during 2009-2010 (month-wise)	14-16
Table 2(a) All-India Annual Average Daily Wage Rates in Agricultural Occupations during 2009-2010 (Occupation-wise)	17
Table 2(b) All-India Annual Average Daily Wage Rates in Non-agricultural Occupations during 2009-2010 (Occupation-wise)	18
Table 3(a) Average Daily Wage Rates in Agricultural Occupations in Rural India during July, 2009 (by States & Sex)	19-22
Table 3 (b) Average Daily Wage Rates in Non-agricultural Occupations in Rural India during July, 2009 (by States & Sex)	23-25
Table 4(a) Average Daily Wage Rates in Agricultural Occupations in Rural India during August, 2009 (by States & Sex)	26-29
Table 4(b) Average Daily Wage Rates in Non-agricultural Occupations in Rural India during August, 2009 (by States & Sex)	30-32
Table 5(a) Average Daily Wage Rates in Agricultural Occupations in Rural India during September, 2009 (by States & Sex)	33-36
Table 5(b) Average Daily Wage Rates in Non-agricultural Occupations in Rural India during September, 2009 (by States & Sex)	37-39
Table 6(a) Average Daily Wage Rates in Agricultural Occupations in Rural India during October, 2009 (by States & Sex)	40-43
Table 6(b) Average Daily Wage Rates in Non-agricultural Occupations in Rural India during October, 2009 (by States & Sex)	44-46
Table 7(a) Average Daily Wage Rates in Agricultural Occupations in Rural India during November, 2009 (by States & Sex)	47-50
Table 7(b) Average Daily Wage Rates in Non-agricultural Occupations in Rural India during November, 2009 (by States & Sex)	51-53

Table 8(a)	Average Daily Wage Rates in Agricultural Occupations in Rural India during December,2009 (by States & Sex)	54-57
Table 8(b)	Average Daily Wage Rates in Non-agricultural Occupations in Rural India during December,2009 (by States & Sex)	58-60
Table 9(a)	Average Daily Wage Rates in Agricultural Occupations in Rural India during January,2010 (by States & Sex)	61-64
Table 9(b)	Average Daily Wage Rates in Non-agricultural Occupations in Rural India during January,2010 (by States & Sex)	65-67
Table 10(a)	Average Daily Wage Rates in Agricultural Occupations in Rural India during February,2010 (by States & Sex)	68-71
Table 10(b)	Average Daily Wage Rates in Non-agricultural Occupations in Rural India during February,2010 (by States, & Sex)	72-74
Table 11(a)	Average Daily Wage Rates in Agricultural Occupations in Rural India during March,2010 (by States & Sex)	75-78
Table 11(b)	Average Daily Wage Rates in Non-agricultural Occupations in Rural India during March,2010 (by States & Sex)	79-81
Table 12 (a)	Average Daily Wage Rates in Agricultural Occupations in Rural India during April,2010 (by States & Sex)	82-85
Table 12(b)	Average Daily Wage Rates in Non-agricultural Occupations in Rural India during April,2010 (by States & Sex)	86-88
Table 13(a)	Average Daily Wage Rates in Agricultural Occupations in Rural India during May,2010 (by States & Sex)	89-92
Table 13(b)	Average Daily Wage Rates in Non-agricultural Occupations in Rural India during May,2010 (by States & Sex)	93-95
Table 14(a)	Average Daily Wage Rates in Agricultural Occupations in Rural India during June,2010 (by States & Sex)	96-99
Table 14(b)	Average Daily Wage Rates in Non-agricultural Occupations in Rural India during June,2010 (by States & Sex)	100-102
Annexure I	Block-5 of Schedule 3.01 (R) for Collection of Wage Rate Data	103-104
Annexure II	List of Officers/Staff Members associated with the Booklet.	105
Annexure III	List of publications brought out so far on the subject	105

विषय सूची

	पृष्ठ संख्या
1. प्रमुख निष्कर्षों का सार	1 - 3
2. मजदूरी दर आंकड़ों के संकलन हेतु कार्य पद्धति	4 - 9
तालिका 1(क) वर्ष 2009-10 के दौरान (माहवार) कृषि व्यवसायों में अखिल भारत औसत दैनिक मजदूरी दरें ।	10 - 13
तालिका 1(ख) वर्ष 2009-10 के दौरान (माहवार) गैर कृषि व्यवसायों में अखिल भारत औसत दैनिक मजदूरी दरें ।	14 - 16
तालिका 2(क) वर्ष 2009-10 के दौरान (व्यवसायवार) कृषि व्यवसायों में अखिल भारत औसत वार्षिक दैनिक मजदूरी दरें ।	17
तालिका 2(ख) वर्ष 2009-10 के दौरान (व्यवसायवार) कृषि व्यवसायों में अखिल भारत वार्षिक औसत दैनिक मजदूरी दरें ।	18
तालिका 3(क) जुलाई, 2009 के दौरान (राज्यवार एवं लिंगवार) ग्रामीण भारत में कृषि व्यवसायों में औसत दैनिक मजदूरी दरें ।	19 - 22
तालिका 3(ख) जुलाई, 2009 के दौरान (राज्यवार एवं लिंगवार) ग्रामीण भारत में गैर-कृषि व्यवसायों में औसत दैनिक मजदूरी दरें ।	23 - 25
तालिका 4(क) अगस्त, 2009 के दौरान (राज्यवार एवं लिंगवार) ग्रामीण भारत में कृषि व्यवसायों में औसत दैनिक मजदूरी दरें ।	26 - 29
तालिका 4(ख) अगस्त, 2009 के दौरान (राज्यवार एवं लिंगवार) ग्रामीण भारत में गैर-कृषि व्यवसायों में औसत दैनिक मजदूरी दरें ।	30 - 32
तालिका 5(क) सितम्बर, 2009 के दौरान (राज्यवार एवं लिंगवार) ग्रामीण भारत में कृषि व्यवसायों में औसत दैनिक मजदूरी दरें ।	33 - 36
तालिका 5(ख) सितम्बर, 2009 के दौरान (राज्यवार एवं लिंगवार) ग्रामीण भारत में गैर-कृषि व्यवसायों में औसत दैनिक मजदूरी दरें ।	37 - 39
तालिका 6(क) अक्टूबर, 2009 के दौरान (राज्यवार एवं लिंगवार) ग्रामीण भारत में कृषि व्यवसायों में औसत दैनिक मजदूरी दरें ।	40 - 43
तालिका 6(ख) अक्टूबर, 2009 के दौरान (राज्यवार एवं लिंगवार) ग्रामीण भारत में गैर-कृषि व्यवसायों में औसत दैनिक मजदूरी दरें ।	44 - 46
तालिका 7(क) नवम्बर, 2009 के दौरान (राज्यवार एवं लिंगवार) ग्रामीण भारत में कृषि व्यवसायों में औसत दैनिक मजदूरी दरें ।	47 - 50
तालिका 7(ख) नवम्बर, 2009 के दौरान (राज्यवार एवं लिंगवार) ग्रामीण भारत में गैर-कृषि व्यवसायों में औसत दैनिक मजदूरी दरें ।	51 - 53

तालिका 8(क)	दिसम्बर, 2009 के दौरान (राज्यवार एवं लिंगवार) ग्रामीण भारत में कृषि व्यवसायों में औसत दैनिक मजदूरी दरें ।	54 - 57
तालिका 8(ख)	दिसम्बर, 2009 के दौरान (राज्यवार एवं लिंगवार) ग्रामीण भारत में गैर-कृषि व्यवसायों में औसत दैनिक मजदूरी दरें ।	58- 60
तालिका 9(क)	जनवरी, 2010 के दौरान (राज्यवार एवं लिंगवार) ग्रामीण भारत में कृषि व्यवसायों में औसत दैनिक मजदूरी दरें ।	61 - 64
तालिका 9(ख)	जनवरी, 2010 के दौरान (राज्यवार एवं लिंगवार) ग्रामीण भारत में गैर-कृषि व्यवसायों में औसत दैनिक मजदूरी दरें ।	65 - 67
तालिका 10(क)	फरवरी, 2010 के दौरान (राज्यवार एवं लिंगवार) ग्रामीण भारत में कृषि व्यवसायों में औसत दैनिक मजदूरी दरें ।	68 - 71
तालिका 10(ख)	फरवरी, 2010 के दौरान (राज्यवार एवं लिंगवार) ग्रामीण भारत में गैर-कृषि व्यवसायों में औसत दैनिक मजदूरी दरें ।	72 - 74
तालिका 11(क)	मार्च, 2010 के दौरान (राज्यवार एवं लिंगवार) ग्रामीण भारत में कृषि व्यवसायों में औसत दैनिक मजदूरी दरें ।	75 - 78
तालिका 11(ख)	मार्च, 2010 के दौरान (राज्यवार एवं लिंगवार) ग्रामीण भारत में गैर-कृषि व्यवसायों में औसत दैनिक मजदूरी दरें ।	79 - 81
तालिका 12(क)	अप्रैल, 2010 के दौरान (राज्यवार एवं लिंगवार) ग्रामीण भारत में कृषि व्यवसायों में औसत दैनिक मजदूरी दरें ।	82 - 85
तालिका 12(ख)	अप्रैल, 2010 के दौरान (राज्यवार एवं लिंगवार) ग्रामीण भारत में गैर-कृषि व्यवसायों में औसत दैनिक मजदूरी दरें ।	86 - 88
तालिका 13(क)	मई, 2010 के दौरान (राज्यवार एवं लिंगवार) ग्रामीण भारत में कृषि व्यवसायों में औसत दैनिक मजदूरी दरें ।	89 - 92
तालिका 13(ख)	मई, 2010 के दौरान (राज्यवार एवं लिंगवार) ग्रामीण भारत में गैर-कृषि व्यवसायों में औसत दैनिक मजदूरी दरें ।	93 - 95
तालिका 14(क)	जून, 2010 के दौरान (राज्यवार एवं लिंगवार) ग्रामीण भारत में कृषि व्यवसायों में औसत दैनिक मजदूरी दरें ।	96 - 99
तालिका 14(ख)	जून, 2010 के दौरान (राज्यवार एवं लिंगवार) ग्रामीण भारत में गैर-कृषि व्यवसायों में औसत दैनिक मजदूरी दरें ।	100 -102
संलग्नक-I	मजदूरी दर आंकड़ों के संग्रहण हेतु अनुसूची 3.01(आर) का ब्लाक-5	103 -104
संलग्नक-II	पुस्तिका से संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों की सूची	105
संलग्नक-III	इस विषय पर अब तक निकाले गए प्रकाशनों की सूची	105

1. मुख्य निष्कर्षों का सार

आंकड़ों के मुख्य निष्कर्षों का सार निम्नलिखित है :-

क) कृषि व्यवसाय:

1. वर्ष 2009-10 के दौरान विभिन्न कृषि व्यवसायों में अखिल भारत वार्षिक औसत दैनिक मजदूरी दरों में व्यापक अन्तर था। मजदूरी दरों में यह अन्तर पुरुष 'चरवाहा' के लिए 62.23 रुपये से कुआं खुदाई में कार्यरत पुरुष मजदूरों के लिए 140.81 रुपये के बीच, महिला 'चरवाहा' के मामले में 46.66 रुपये से प्रतिरोपण कार्यकलापों में लगी महिला मजदूरों के लिए 86.71 रुपये तथा चरवाहा कार्यों में लगे बच्चों के लिए 42.75 रुपये से फसल कटाई व्यवसाय में नियोजित बच्चों के लिए 61.72 रुपये के बीच था।
2. कृषि व्यवसायों में 'कुआ खुदाई' पुरुषों के लिए सबसे अधिक प्रदत्त आय वाला व्यवसाय था। यह शायद इसलिए हो सकता है क्योंकि इस कार्यकलाप के निष्पादन में अपेक्षित दक्षता की आवश्यकता होती है और इस में जोखिम भी शामिल है। इस व्यवसाय के बाद 'जुताई' और 'बुआई' व्यवसाय अधिक मजदूरी प्रदान करने वाले व्यवसायों में आते हैं। वर्ष 2009-10 के दौरान 'कुआ खुदाई' व्यवसाय में अखिल भारत औसत दैनिक मजदूरी दरें जून, 2010 में 147.18 रुपये से जुलाई, 2009 में 130.63 रुपये के बीच थी।
3. 'प्रतिरोपण' व्यवसाय में महिलाओं की मजदूरी सबसे अधिक थी, इसके बाद 'हार्वेस्टिंग' और 'तितुण' (थ्रैशिंग) अधिक मजदूरी वाले व्यवसाय हैं। 'तितुण' (थ्रैशिंग) व्यवसाय में महिलाओं के लिए अधिकतम अखिल भारत औसत दैनिक मजदूरी दर मई, 2010 में 94.35 रुपये थी।
4. 'फसल कटाई व्यवसाय' में बच्चों को अधिकतम मजदूरी मिली जो कि जुलाई, 2009 में 53.07 रुपये से लेकर मई, 2010 में 68.03 रुपये के बीच थी। इसके बाद अधिक मजदूरी दरों वाले व्यवसायों में गुड़ाई और बुआई आते हैं।

5. वर्ष 2009-10 के दौरान 'चरवाहा' पुरुषों, महिलाओं, बच्चों के लिए सबसे कम पारिश्रमिक देने वाला व्यवसाय था क्योंकि इस व्यवसाय में वार्षिक औसत दैनिक मजदूरी दरें क्रमशः 62.23 रुपये, 46.66 रुपये तथा 42.75 रुपये रिकार्ड की गई थी ।

ख) गैर कृषि व्यवसाय:

1. वर्ष 2009-10 के दौरान गैर कृषि व्यवसायों में अखिल भारत वार्षिक औसत दैनिक मजदूरी दरों में भी व्यापक अन्तर था । मजदूरी दरों में यह भिन्नता पुरुष सफाई कर्मचारी के लिए 71.82 रुपये से पुरुष राज मिस्त्री के लिए 182.92 रुपये के बीच तथा महिला अकुशल मजदूर के लिए 77.69 रुपये से महिला सफाई कर्मचारी के लिए 74.34 रुपये के बीच थी । बच्चों के मामले में पर्याप्त मात्रा में कूटेशन प्राप्त न होने के कारण, औसत अखिल भारत वार्षिक दैनिक मजदूरी दर की गणना केवल 'अकुशल मजदूर' के रूप में ही की गई जो कि 51.02 रुपये थी ।
2. गैर कृषि व्यवसायों में 'राज मिस्त्री', पुरुषों के लिए सबसे अधिक आय प्रदत्त करने वाला व्यवसाय था । इसके बाद बढ़ई और ट्रैक्टर चालक अधिक मजदूरी प्रदान करने वाले व्यवसायों में आते हैं । वर्ष 2009-10 के दौरान पुरुष राज मिस्त्री के लिए अखिल भारत औसत दैनिक मजदूरी जुलाई, 2009 में 171.35 रुपये से जून, 2010 में 193.43 रुपये के बीच थी ।
3. महिलाओं के लिए 'अकुशल श्रम' सबसे अधिक आय प्रदत्त करने वाला व्यवसाय था क्योंकि इस व्यवसाय में अखिल भारत औसत दैनिक मजदूरी जुलाई, 2009 में 72.79 रुपये से जून, 2010 में 83.05 रुपये के बीच थी ।
4. वर्ष 2009-10 के दौरान 'अकुशल श्रम' में लगे बच्चों के लिए अखिल भारत औसत दैनिक मजदूरी जुलाई, 2009 में 46.63 रुपये से जून, 2010 में 56.54 रुपये के बीच थी ।
5. संदर्भ अवधि के दौरान पुरुषों के लिए सफाई व्यवसाय सबसे कम आय प्रदत्त करने वाला व्यवसाय था । इसमें अखिल भारत औसत दैनिक मजदूरी दर 71.82 रुपये थी । महिलाओं के लिए भी सफाई व्यवसाय न्यूनतम आय प्रदत्त करने वाला व्यवसाय था, इसमें औसत दैनिक मजदूरी दर 74.34 रुपये थी ।

6. अधिकांश व्यवसायों में पुरुषों की तुलना में महिलाओं की औसत दैनिक मजदूरी दरें सामान्यतः कम थीं। यह कूटेशनों की संख्या में परिवर्तन की विशेषता के कारण हो सकता है क्योंकि लिंग पर आधारित मजदूरी भिन्नता (वेज डिफरेंशियल) प्रतिदर्श ग्राम स्तर पर महत्वपूर्ण नहीं था।

7. किसी भी महिला कर्मकार को 'बढ़ई', 'लोहार' 'चर्मकार', 'राज मिस्त्री' एवं 'ट्रैक्टर ड्राइवर' व्यवसाय में कार्यरत नहीं पाया गया। अतः वर्ष 2009-10 के दौरान इन व्यवसायों में कोई मजदूरी दर टिकार्ड नहीं की गई।

ग) कृषि तथा गैर कृषि व्यवसायों में राज्यों की माहवार औसत दैनिक मजदूरी दरें:

1. राज्यों में केरल राज्य में वर्ष 2009-10 के दौरान लगभग सभी व्यवसायों में अधिकतम औसत दैनिक मजदूरी दरें थीं।

2. वर्ष के दौरान, हिमाचल प्रदेश तथा जम्मू कश्मीर जैसे पहाड़ी राज्यों में औसत दैनिक मजदूरी दरें, महाराष्ट्र, गुजरात और पंजाब जैसे विकसित राज्यों की तुलना में अधिक थीं।

3. वर्ष के दौरान लगभग सभी व्यवसायों में न्यूनतम औसत दैनिक मजदूरी दरें मध्यप्रदेश में पाई गईं।

2. मजदूरी दर आंकड़ों के संकलन हेतु कार्यपद्धति

2.1 भूमिका

यह सार्वभौमिक रूप से स्वीकार किया गया है कि देश के कृषि संबंधी ढांचे को विभिन्न कारक निर्धारित करते हैं जैसे ; भौतिक विशेषताएँ, प्राकृतिक संसाधन, जनसंख्या वृद्धि, भूमि पर दबाव, आर्थिक विकास की दर, संसाधनों के प्रभावी दोहन का स्तर और संस्थागत कारक नामशः भूमि प्रणाली तथा उत्तराधिकार कानून ।

यह ऐतिहासिक तथ्य है कि भारतीय संसाधनों के उष्क्रम में कृषि सर्वाधिक महत्व रखती है । कृषि केवल एक आर्थिक कार्यकलाप ही नहीं है बल्कि यह देश में अधिकांश जनता के लिए जीवन जीने का एक जरिया भी है । यह भारत में तेजी से बढ़ रहे औद्योगिक क्षेत्र को जन शक्ति प्रदान करने का प्रमुख स्रोत है तथा औद्योगिक उत्पादों के लिए बाजार भी है। इस प्रकार इसकी अन्तर्निहित कठिनाइयाँ अन्य सभी आर्थिक कठिनाइयों के मूल में निहित है । इसके अतिरिक्त, कृषि श्रम असंगठित श्रम बल का अति संवेदनशील भाग है। असंगठित और छिन्न-भिन्न होने के कारण, 'ग्रामीण श्रम' श्रम अधिनियमों और नियोक्ता-कर्मकार संबंधों के तहत मिलने वाले लाभों से वंचित रहता है जबकि उनके प्रतिस्थानी आर्थिक व्यवस्था के संगठित क्षेत्र में उनका लाभ उठाते हैं । कृषि श्रमिकों को स्वयं को आकस्मिक नियोजन, नियोक्ता के निरन्तर परिवर्तन के साथ-साथ स्थान में परिवर्तन और कोई नियत वेतन न होने तक सीमित रहना पड़ता है ।

इसके साथ इस वर्ग के श्रमिकों के कार्य और आवासीय व्यवस्था से संबंधित सूचना भी अपर्याप्त है । ग्रामीण श्रम की सामाजिक एवं आर्थिक परिस्थितियों पर विश्वसनीय सूचना का एक मात्र प्रमुख स्रोत ग्रामीण श्रम अन्वेषण है जिसका संचालन पंचवर्षीय आधार पर किया जाता है । ब्यूरो द्वारा मासिक आधार पर जारी कृषि एवं ग्रामीण श्रमिकों हेतु उपभोक्ता मूल्य सूचकांक, न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 के तहत कृषि में न्यूनतम मजदूरी को नियत करने तथा उसमें संशोधन करने हेतु आंकड़े उपलब्ध करवाता है । ये आंकड़े

राज्य/राष्ट्रीय आय की गणना हेतु तथा फसलों की लागत का पता लगाने में भी उपयोगी हैं ।

1974 में राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन द्वारा स्थापित ग्रामीण खुदरा मूल्यों पर तकनीकी कार्य समूह ने अपनी सिफारिश में कृषि और ग्रामीण श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक की शृंखला में संशोधन/अद्यतन करने के साथ ग्रामीण श्रमिकों के लिए मजदूरी आंकड़ों की नियमित आपूर्ति की आवश्यकता को भी महसूस किया । क्योंकि कीमतें और मजदूरी एक दूसरे से संबंधित हैं, इसलिए यह महसूस किया गया कि यदि एक समान कवरेज के आधार पर इन दोनों विशिष्टताओं की प्रवृत्तियाँ उपलब्ध होंगी तो यह बहुत उपयोगी होगा । इसलिए समूह ने विभिन्न राज्यों में गांवों के उपयुक्त प्रतिदर्श से विभिन्न व्यवसायों के लिए मजदूरी दरों को एकत्र करने की सलाह दी थी ताकि सतत आधार पर समग्र देश में मजदूरी को दर्शाने वाली उचित तस्वीर उपलब्ध हो सके।

समूह की सिफारिशों के मद्देनजर, जुलाई, 1986 से मैन्युअल कार्य से जुड़े 11 कृषि और 7 गैर कृषि व्यवसायों से संबंधित मजदूरी दर आंकड़ों को भी देश के 20 राज्यों में फैले 600 प्रतिदर्श गांवों से ग्रामीण खुदरा मूल्यों के साथ ही एकत्र किया जा रहा है जिनके उद्देश्य निम्नलिखित हैं:-

- i) सरकार द्वारा नियत/संशोधित न्यूनतम मजदूरी को लागू करना ;
- ii) मजदूरी नीति बनाना और उसका कार्यान्वयन ;
- iii) राज्य घरेलू उत्पाद/राष्ट्रीय आय तथा खेती की लागत का आकलन करना ;

मजदूरी दर आंकड़ों के संकलन को कुछ समय के लिए स्थगित रखा गया क्योंकि जिस उद्देश्य के लिए आंकड़े एकत्र किये जा रहे थे उस संदर्भ में आंकड़ों की यथार्थता से संबंधित कुछ कठिनाइयां थी । वर्ष 1995 के दौरान राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन की गर्वनिंग काउंसिल ने न केवल इन कठिनाइयों का समाधान निकाला बल्कि यह सुझाव भी दिया कि मजदूरी दर आंकड़ों को लगातार प्रत्येक माह एकत्र और प्रकाशित किया जाना चाहिए । काउंसिल के सुझाव के अनुसरण में, श्रम ब्यूरो ने कृषि वर्ष 1995-96 से मजदूरी दर आंकड़ों के संकलन का कार्य आरम्भ किया । ये आंकड़े अब नियमित मासिक आधार पर संकलित किये जाते हैं और अप्रैल, 1998 से मासिक आधार पर श्रम ब्यूरो की **भारतीय श्रम पत्रिका** में नियमित रूप से प्रकाशित किये जा रहे हैं।

2.2 प्रतिदर्श आकार:

क्योंकि मजदूरी दरों का एकत्रण भी उन्हीं प्रतिदर्श गांवों से किया जाता है जिनसे कृषि/ग्रामीण श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांकों के संकलन हेतु ग्रामीण खुदरा मूल्यों का एकत्रण किया जाता है, इसलिए कार्य समूह द्वारा राज्यवार प्रतिदर्श आकार का निर्धारण भी i) कृषि और ii) ग्रामीण श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांकों के संकलन की आवश्यकतानुसार किया गया ।

क्षेत्रों, स्तरों और प्रतिदर्श गांवों की संख्या का राज्यवार वितरण निम्नलिखित है:—

क्रम सं.	राज्य	क्षेत्र	स्तर	प्रतिदर्श गांव
1.	आन्ध्र प्रदेश	4	18	54
2.	असम	3	8	27
3.	बिहार	3	13	39
4.	गुजरात	5	10	30
5.	हरियाणा	2	4	12
6.	हिमाचल प्रदेश	1	3	9
7.	जम्मू एवं कश्मीर	3	5	21
8.	कर्नाटक	4	11	36
9.	केरल	2	5	21
10.	मध्य प्रदेश	7	23	69
11.	महाराष्ट्र	6	18	54
12.	मणिपुर	2	2	9
13.	मेघालय	1	2	9
14.	उड़ीसा	3	8	33
15.	पंजाब	2	5	15
16.	राजस्थान	4	7	21
17.	तमिलनाडु	4	11	33
18.	त्रिपुरा	1	3	9
19.	उत्तर प्रदेश	5	20	60
20.	पश्चिम बंगाल	4	11	39

योग	66	187	600
-----	----	-----	-----

2.3 आंकड़ों को एकत्र करना:

राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन के क्षेत्रीय प्रचालन प्रभाग द्वारा 20 राज्यों के 66 राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण क्षेत्रों में फैले 600 प्रतिदर्श गांवों से अनुसूची 3.01 (आर) के ब्लाक 5 (अनुलग्नक-1) में मजदूरी दर आंकड़ों को भी ग्रामीण खुदरा मूल्यों के साथ-साथ एकत्र किया जाता है। इन प्रतिदर्श गांवों से आंकड़ों को एक माह के 4 सप्ताहों में एकत्र करना होता है तथा उनमें से 1/4 (एक चौथाई) प्रत्येक सप्ताह में कवर किए जाते हैं। अनुसूची 3.01 (आर) को भरने के दिन नियत हैं। मजदूरी दरों से संबंधित सूचना ग्रामीण पदाधिकारियों जैसे पंचायत सचिव, प्रगति सहायक, पटवारी और अन्य ग्रामीण या ब्लाक कर्मचारियों से प्राप्त की जाती है। ये आंकड़े 20 राज्यों में 18 चुने हुए व्यवसायों के लिए सामान्य कार्य के घटे तथा प्रतिवेदित कार्य के घटों के लिए नकद और वस्तुओं में देय प्रचलित मजदूरी दरों के लिए लिंगवार एकत्रित किये जाते हैं।

चुने गए व्यवसाय जिनके लिए दैनिक मजदूरी दरें प्रत्येक माह एकत्र की जाती हैं निम्नलिखित हैं:-

क) कृषि व्यवसाय	ख) गैर कृषि व्यवसाय
1. जुताई	1. बढ़ई
2. बोआई	2. लोहार
3. निराई	3. मोची
4. प्रतिरोपण	4. राजमिस्त्री
5. कटाई	5. ट्रैक्टर चालक
6. ओसाई	6. सफाई कर्मचारी
7. तितुण	7. अकुशल श्रमिक (गैर विनिर्दिष्ट)
8. चुनना	
9. चरवाहा	
10. कुआ खुदाई	
11. गन्ने की पिलाई	

2.4 औसत मजदूरी दरों के संकलन की प्रक्रिया :

क्षेत्र से प्राप्त आंकड़ों की प्रत्येक माह 20 राज्यों के लिए कृषि तथा गैर कृषि व्यवसायों हेतु अलग-अलग प्रविष्टि की जाती है। यदि मजदूरी दरें सामान्य कार्य घंटों से कम या अधिक अवधि के लिए हो तो सर्वप्रथम इन्हें 8 घंटों के कार्य दिवस के अनुरूप समायोजित किया जाता है। मजदूरी का भुगतान नकदी/वस्तु के रूप में किया जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में वस्तु के आधार से भुगतान बहुत प्रचलित है जिनमें अनाज, तैयार किया हुआ खाना, चाय, ईंधन, सिगरेट, बीड़ी और चारा आदि के रूप में किए जाने वाले भुगतान शामिल हैं। वस्तु के रूप में मजदूरी के भुगतान का मूल्य निर्धारण प्रचलित स्थानीय खुदरा मूल्यों के अनुसार किया जाता है। इसके बाद, आंकड़ों की पूर्णतया जांच की जाती है और यदि कोई विसंगतियां पाई जाती हैं तो स्पष्टीकरण हेतु उन्हें वापस क्षेत्र (फील्ड) में भेजा जाता है। अगले चरण में इन सामान्य दैनिक मजदूरी दरों की 'साधारण गणितीय औसत' निम्नानुसार प्रत्येक राज्य के लिए व्यवसायवार और लिंगवार निकाली जाती है:

$$W = I/n \sum_{i=1}^n W_i$$

यहां 'w' से अभिप्राय मजदूरी 'n' से अभिप्राय राज्य में गांवों की संख्या से है।

इसी प्रकार, सभी 20 राज्यों की मजदूरी दरों के कुल योग को निवेदित दरों की संख्या से भाग देकर अखिल भारत स्तर पर औसत मजदूरी दरें प्राप्त की जाती हैं। निवेदित दरों की संख्या में विभिन्नता के कारण श्रमिकों के विभिन्न वर्गों को दी जाने वाली मजदूरियों में विसंगता से बचने हेतु राज्य-वार औसतों को केवल उन व्यवसायों तक सीमित किया गया है जहां निवेदित दरें पाँच या उससे अधिक हैं। यद्यपि अखिल भारत औसत दरों के आकलन हेतु अखिल भारत स्तर पर निवेदित दरों की कुल संख्या प्राप्त करने के लिए उन सभी उपेक्षित निवेदित दरों की भी गणना की जाती है। अखिल

भारत स्तर पर भी व्यवसाय-वार औसत के आकलन हेतु निवेदित दरों की संख्या को पांच या उससे अधिक तक सीमित किया गया है ।

वर्तमान प्रकाशन कृषि वर्ष 2009-10 के लिए 11 कृषि तथा 7 गैर कृषि व्यवसायों के संबंध में 20 राज्यों तथा अखिल भारत के लिए मजदूरी दर आंकड़ें उपलब्ध करवाता है । तालिकाओं में विभिन्न व्यवसायों के सामने डैश (-) यह दर्शाता है कि संदर्भ माह के दौरान विभिन्न कारणों से कोई मजदूरी दर रिपोर्ट नहीं की गई जैसे :

- (i) व्यवसाय से संबंधित कार्य या तो राज्य में आरम्भ नहीं किया गया था ; या
- (ii) राज्य में कार्य बेमौसमी था ; या
- (iii) श्रमिकों का विशेष वर्ग (अर्थात् पुरुष/महिला/बच्चे) उस कार्य में कार्यरत नहीं था ।

1. SUMMARY OF MAIN FINDINGS

The main findings of the data are summarised below :

a) **Agricultural occupations:**

1. All-India annual average daily wage rates in different agricultural occupations during the year 2009-10 varied widely from Rs.62.23 for male 'herds-keepers' to Rs.140.81 for male labourers engaged in 'well digging'; from Rs.46.66 for female 'herds-keepers' to Rs.86.71 for female labourers engaged in 'transplanting' activities; and from Rs.42.75 for child 'herds-keepers' to Rs.61.72 for children employed in 'harvesting' occupation.

2. Amongst agricultural occupations, 'well digging' was observed to be the highest paid occupation for men probably on account of the requirement of skill and risk in the performance of the activity followed by 'ploughing' and 'sowing' occupations. During the year 2009-10, the all-India average daily wage rates in 'well digging' ranged between Rs.147.18 in June, 2010 to Rs.130.63 in July, 2009.

3. 'Transplanting' occupation fetched highest wages for women followed by 'harvesting' and 'threshing' occupations. The all-India average daily wage rates for women in 'threshing' occupation were highest at Rs.94.35 in May, 2010.

4. Children got highest wages in 'Harvesting' occupation in the range of Rs.53.07 in July,2009 to Rs.68.03 in May,2010, followed by 'weeding' and 'sowing' occupations.

5. During 2009-10, 'herds-keeping' was observed to be the least remunerative occupation for men, women and child workers as the annual average daily wage rates in this occupation were reported to be as low as Rs.62.23, Rs.46.66 and Rs.42.75 respectively.

b) Non-agricultural occupations:

1. The all-India annual average daily wage rates in non- agricultural occupations during the year 2009-10 also varied widely from Rs.71.82 for male 'sweepers' to Rs.182.92 for male 'masons'; from Rs.77.69 for female 'unskilled labourers' to Rs.74.34 for female 'sweepers'. In case of children, due to non-receipt of sufficient number of quotations, the all-India annual average daily wage rate could be calculated for 'unskilled labourers' only, which worked out to Rs.51.02.

2. Amongst non-agricultural occupations, 'masonry' was observed to be the highest paid occupation for men, followed by 'carpentry' and 'tractor driving'. During the year 2009-10, the all-India average daily wages for male 'masons' ranged between Rs.171.35 in July, 2009 to Rs.193.43 in June, 2010.

3. 'Unskilled Labour' was the highest paid occupation for women as the all-India average daily wages in that occupation ranged between Rs.72.79 in July, 2009 to Rs.83.05 in June, 2010 .

4. During the year 2009-10, the all-India average daily wages for children engaged as 'unskilled labourers' ranged between Rs.46.63 in July, 2009 and Rs.56.54 in June, 2010.

5. 'Sweeping' was found to be the lowest paid occupation for both men and women during the year under reference with an all-India average daily wage rate of Rs.71.82 and Rs.74.34 respectively

6. The average daily wage rates for women were found to be generally lower than those for men in most of the occupations. These may be attributed to variation in the number of quotations as the wage differential based on sex was not that significant at sample village level.

7. None of the female workers were found engaged as 'carpenters', 'blacksmiths', 'cobblers', 'mason' or 'tractor drivers' and hence no wage rate was reported for these occupations during the year 2009-10.

c) Monthwise Average daily wage rates of States in Agricultural and non-Agricultural occupations :

1. Amongst States, Kerala had the highest average daily wage rates in almost all the occupations during the year 2009-10.

2. The average daily wage rates in the hill States of Himachal Pradesh and Jammu & Kashmir were quite high in comparison to certain developed States such as Maharashtra, Gujarat and Punjab.

3. The average daily wage rates in almost all the occupations were observed to be lowest in the State of Madhya Pradesh during the year.

2. METHODOLOGY FOR COMPILATION OF THE WAGE RATE DATA

2.1. INTRODUCTION

It is universally accepted that a number of factors determine the agrarian structure of a country such as its physical features, natural resources, population growth, pressure on land, level of economic development, level of effective utilization of resources and the institutional factors namely land tenure systems and inheritance laws.

Historically, in the resources hierarchy of India, agriculture has been of utmost importance. Agriculture is not only an economic activity but a way of life for a vast majority in this country. It is the main source of man-power supply to the fast growing industrial sector in India and market for industrial products. As such, its inherent problems are at the root of many other problems in the economy. Moreover, agricultural labour constitutes the most vulnerable segment of the unorganised work force. Being unorganized and scattered, rural labour is deprived of the benefits of labour enactments and employer-employee relationships which their counter parts enjoy in the organized sector of the economy. Agricultural labourers have to live with casual employment, frequent changes of employers as well as places and no fixed pay.

There is however a scanty information base on the working and living conditions of this segment of labour market. The only major source of reliable information on socio-economic conditions of the rural labour is the Rural Labour Enquiry conducted on quinquennial basis. Consumer Price Index Numbers for Agricultural and Rural Labourers, released by the Bureau on monthly basis, provide data for the fixation and revision of minimum wages in agriculture under the Minimum Wages Act, 1948. This data has also been found useful for the calculation of State/National Income and in the assessment of costs of cultivation of crops.

Technical Working Group on rural retail prices set up by the NSSO in 1974, in its recommendation to revise/update the series of Consumer Price Index Numbers for Agricultural and Rural Labourers, felt the need for a regular in-flow of wage data for rural workers. Since prices and wages are related to each other, it was felt that it would be useful if trend of these two characteristics were available on the basis of same coverage. The Group, therefore, suggested collection of wage rates for a number of occupations from a suitable sample of villages in various states so that a fairly representative picture of wage situation is available for the entire country on a continuous basis.

In view of the recommendations of the Group, the wage rate data in respect of 11 agricultural and 7 non-agricultural occupations entailing manual work are being collected along with rural retail prices from 600 sample villages spread over 20 states in the country since July, 1986 with the following objectives:

- i) for enforcement of minimum wages fixed/revised by the Government;
- ii) for drawing up and implementation of Wage Policy; and
- iii) for estimation of State Domestic Product/National Income and Cost of Cultivation studies.

The compilation of wage rate data was however, held in abeyance for some time, owing to some problem with regard to the veracity of data with reference to the purpose for which it was being collected. During the year 1995, the Governing Council of the National Sample Survey Organisation not only sorted out the problems but also recommended that the wage rate data should continue to be collected and published every month. In pursuance of the recommendation of the Council, the Labour Bureau took up the work of compiling wage rate data since the agricultural year 1995-96. These data are now being compiled on regular monthly basis and published in monthly publication of the Bureau, the **Indian Labour Journal** since April, 1998.

2.2. SAMPLE SIZE

Since the rural retail prices for compilation of CPI Numbers for Agricultural/Rural Labourers and wage rates are collected from the same set of sample villages, the state-wise sample size was, therefore, decided by the Working Group as per the need for constructing the CPI No's for (i) Agricultural and for (ii) Rural Labourers.

The state-wise distribution of the number of regions, strata and sample villages is given below:

Sl.No.	State	Region	Strata	Sample village
1	Andhra Pradesh	4	18	54
2	Assam	3	8	27
3	Bihar	3	13	39
4	Gujarat	5	10	30
5	Haryana	2	4	12
6	Himachal Pradesh	1	3	9
7	Jammu & Kashmir	3	5	21
8	Karnataka	4	11	36
9	Kerala	2	5	21
10	Madhya Pradesh	7	23	69
11	Maharashtra	6	18	54
12	Manipur	2	2	9
13	Meghalaya	1	2	9
14	Orissa	3	8	33
15	Punjab	2	5	15
16	Rajasthan	4	7	21
17	Tamil Nadu	4	11	33
18	Tripura	1	3	9
19	Uttar Pradesh	5	20	60
20	West Bengal	4	11	39
	Total	66	187	600

2.3. COLLECTION OF DATA

The wage rate data, along with rural retail prices are being collected by the Field Operations Division of the National Sample Survey Organisation from 600 sample villages spread over 66 NSS regions of 20 States by canvassing Block-5 (Annexure-I) of Schedule 3.01(R). Data collection from these sample villages is staggered over four weeks of a month with one-fourth of them being covered every week. The days of canvassing of Schedule 3.01(R) are fixed. The village functionaries like the Panchayat Secretary, Progress Assistant, Patwari and other Village or Block Officials are the primary informants for data on wage rates. The data on normal working hours and the prevailing wage rates in cash and kind for the reported working hours are collected sex-wise for each of the 18 selected occupations in 20 states.

The selected occupations for which daily wage rates are being collected every month are as follows:

A. Agricultural Occupations

1. Ploughing
2. Sowing
3. Weeding
4. Transplanting
5. Harvesting
6. Winnowing
7. Threshing
8. Picking
9. Herdsman
10. Well Digging
11. Cane Crushing

B. Non-agricultural Occupations

1. Carpenter
2. Blacksmith
3. Cobbler
4. Mason
5. Tractor Driver
6. Sweeper
7. Unskilled Labour (un-specified)

2.4. PROCESS OF COMPILATION OF AVERAGE WAGE RATES

The data received from the field is posted separately for agricultural and non-agricultural occupations for 20 states every month. In case the wage rates are reported for a duration of less or more than the normal working hours, then these are first adjusted for eight hours working day. Payment of wages is made in cash and/or in kind. Payments in kind are very common in rural areas which include foodgrains, cooked food, tea, fuel, cigarette, bidi, fodder, etc. Wages reported in kind are evaluated at the prevailing local retail prices. Thereafter, data is thoroughly scrutinised and discrepancies, if any, are referred back to the field for clarification. In the next stage, a simple arithmetic average of these normalised daily wage rates is worked out, occupation-wise and sex-wise for each State as follows:

$$W = \frac{1}{n} \sum_{i=1}^n W_i$$

Where 'W' represents wage and 'n' number of villages in the State.

Similarly, the average wage rates at all-India level are derived by dividing the sum total of wages of all the 20 States by the number of quotations. State-wise averages are restricted only to those occupations where the number of quotations are five or more in order to avoid inconsistency in wages paid to different categories of workers on account of difference in number of quotations. However, for working out all-India averages, all those neglected quotations are taken into account to arrive at total number of quotations at all-India level. At all-India level also, the number of quotations for working out occupation-wise averages are restricted to five or more.

The present publication provides wage rate data in respect of 11 agricultural and 7 non-agricultural occupations for 20 states and all-India for the agricultural year 2009-10. The dash (-) in Tables against various occupations indicate that no wage rate was reported during the reference month for various reasons, such as:

- (i) either the activity connected with the occupation was not undertaken in the State; or
- (ii) the activity was out of season in the State; or
- (iii) the particular category of workers (i.e. Men/Women/Children) were not engaged in that operation.

13.	लोहार Blacksmith										
14.	मोची Cobbler										
15.	श्राज मिस्त्री Mason										
16.	ट्रैक्टर चालक Tractor Driver										
17.	सफाई कर्मचारी Sweeper										
18.	अकुशल श्रमिक (गैर विनिर्दिष्ट) Unskilled Labourer										

* स्पष्ट करें, कपास, जूट, चाय, इत्यादि/ * Specify, Cotton, Jute, Tea, etc.

टिप्पण/Note :-

- यदि कर्मकार जैसे लुहार, मोची, बढई इत्यादि पूरे दैनिक मजदूरी के आधार पर कोई कार्य में नहीं लगाए जाते हों और ऐसे श्रमिक किसी भी कार्य को क्रमशः कार्य करते हों जैसे लुहार कुदाली बनाता है और उसके बनाने के पैसे लेता है। ऐसी दशा में वह मालूम करने का प्रयास किया जाए कि इसने कुदाली बनाने में कितना समय लगाया है और उसके कितने पैसे लिए। इस प्रकार से उसके पूरे दिन की मजदूरी अनुमानित की जा सकती है। इसी प्रकार से दूसरों की मजदूरी भी अनुमानित की जा सकती है।
If workers like blacksmith, cobblers, carpenter, etc. are not engaged on full day or daily wage basis, the item of work undertaken by them on piece rate basis, the hours spent and payment made for the same may be recorded for estimating normal hours of work as well as the daily wage rate.
- यदि मजदूरी/वेतन प्रति दिन के हिसाब से नहीं दिए जाते हों और इस का अनुमान मासिक आधार पर किया जाता हो तो इस प्रकार के भुगतान का विवरण कॉलम नं० 12 में पूर्ण टिप्पणी के साथ दिया जाए।
If wages/salaries are paid on non-daily i.e. monthly etc. basis the actual wages/salaries so paid may be recorded along with suitable remarks in col. 12.
- जिन्स में किए गए भुगतान का मूल्यांकन स्थानीय फुटकर मूल्यों के आधार पर किया जाए। जिन्स/जिन्सें जिन का भुगतान किया जाता है उनका नाम कॉलम नं० 12 में लिख दिया जाए।
Payment in kind are to be evaluated at local retail prices. The name of the item/items paid in kind may please be noted in col.12.

अन्वेषक द्वारा अभियुक्ति
Remarks by Investigator

पर्यवेक्षक कर्मचारी वर्ग द्वारा टिप्पणी
Comments by Supervisory Staff

ANNEXURE –II

List of Officers/ Staff Members associated with the Publication:

S/Sh

I.S. Negi	Director
R.C. Jarial	Assistant Director
K.B. Negi	Economic Officer
Mani Ram	Investigator
Dela Ram Sharma	Investigator

ANNEXURE-III

List of publications brought out so far on the Subject:

Sl. No.	Year of Publication	Title of Publication	Price (Rs.)
1.	1998	Wage Rates in Rural India for the year 1995-96	Unpriced
2.	2000	Wage rates in Rural India for the year 1998-99	-do
3.	2001	Wage Rates in Rural India for the year 1999-2000	-do
4.	2002	Wage Rates in Rural India for the year 2000-01	Rs.125.00
5.	2003	Wage Rates in Rural India for the year 2001-02	Rs.125.00
6.	2004	Wage Rates in Rural India for the year 2002-03	Rs.135.00
7.	2005	Wage Rates in Rural India for the year 2003-2004	Rs.140.00
8.	2006	Wage Rates in Rural India for the year 2004-2005	Rs.65.00
9.	2007	Wage Rates in Rural India for the year 2005-2006	Rs.55.00
10.	2008	Wage Rates in Rural India for the year 2006-2007	Rs.60.00
11.	2009	Wage Rates in Rural India for the year 2007-2008	Rs.60.00
12.	2010	Wage Rates in Rural India for the year 2008-2009	Rs.65.00

अनुलग्नक-II

प्रकाशन में सहयोगी अधिकारियों/कर्मचारी सदस्यों की सूची

सर्व श्री आई.एस.नेगी	निदेशक
आर० सी० जडियाल	सहायक निदेशक
कृष्ण बीर नेगी	आर्थिक अधिकारी
मनी राम	अन्वेषक
दिला राम शर्मा	अन्वेषक

अनुलग्नक-III

इस विषय पर अब तक निकाले गए प्रकाशनों की सूची

क्रम सं.	प्रकाशन का वर्ष	प्रकाशन का शीर्षक	मूल्य (रु)
1.	1998	वर्ष 1995-96 के लिए ग्रामीण भारत में मजदूरी दरें	अमृत्याकित
2.	2000	वर्ष 1998-99 के लिए ग्रामीण भारत में मजदूरी दरें	तदैव
3.	2001	वर्ष 1999-2000 के लिए ग्रामीण भारत में मजदूरी दरें	तदैव
4.	2002	वर्ष 2000-01 के लिए ग्रामीण भारत में मजदूरी दरें	125.00रु.
5.	2003	वर्ष 2001-02 के लिए ग्रामीण भारत में मजदूरी दरें	125.00रु.
6.	2004	वर्ष 2002-03 के लिए ग्रामीण भारत में मजदूरी दरें	135.00रु.
7.	2005	वर्ष 2003-04 के लिए ग्रामीण भारत में मजदूरी दरें	140.00रु.
8.	2006	वर्ष 2004-05 के लिए ग्रामीण भारत में मजदूरी दरें	65.00रु.
9.	2007	वर्ष 2005-06 के लिए ग्रामीण भारत में मजदूरी दरें	55.00रु.
10.	2008	वर्ष 2006-07 के लिए ग्रामीण भारत में मजदूरी दरें	60.00रु.
11.	2009	वर्ष 2007-08 के लिए ग्रामीण भारत में मजदूरी दरें	60.00रु.
12.	2010	वर्ष 2008-09 के लिए ग्रामीण भारत में मजदूरी दरें	65.00रु.

© भारत सरकार /Government of India
प्रकाशन नियंत्रक /Controller of Publication

पीडीएलबी /PDLB-651

200-2011 (डीएसके /DSK-II)

मूल्य/Price: Rs.

2011

प्रिंटिंग यूनिट द्वारा मुद्रित, श्रम ब्यूरो, शिमला -171004

प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन, दिल्ली -110054

Printed by Printing Unit, Labour Bureau, Shimla – 171 004
For the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi – 110 054